न्यू स्टार्ट (New START) की समाप्ति और अनियंत्रित परमाणु प्रतिद्वंद्विता की वापसी

UPSC प्रासंगिकता - मुख्य परीक्षा (सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II – अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

समाचारों में क्यों?

IAS-PCS Institute

न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी (New START) 5 फरवरी को समाप्त हो गई, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच अंतिम कानूनी रूप से बाध्यकारी द्विपक्षीय हथियार नियंत्रण समझौता खत्म हो गया है। 1972 के बाद पहली बार, दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों द्वारा रणनीतिक परमाणु हथियारों की तैनाती पर कोई लागू करने योग्य सीमा नहीं बची है।

पृष्ठभूमि: न्यू स्टार्ट संधि का विकास और महत्व

सुपरपावरों के बीच अस्थिर करने वाली परमाणु हथियारों की दौड़ को रोकने के लिए शीत युद्ध के अंत में स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी (START) ढांचे का उदय हुआ। मूल START-I, जिस पर 1991 में अमेरिका और सोवियत संघ के बीच हस्ताक्षर किए गए थे और 1994 में लागू किया गया था, तैनात रणनीतिक परमाणु शस्त्रागार को कम करने के पहले बड़े प्रयास के रूप में चिह्नित किया गया था। इसे बाद में स्ट्रैटेजिक ऑफेंसिव रिडक्शन ट्रीटी (SORT) और उसके बाद न्यू स्टार्ट (New START) द्वारा प्रतिस्थापित किया गया, जिस पर 2010 में हस्ताक्षर किए गए और जो 2011 में लागू हुई।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

न्यू स्टार्ट शुरुआत में 2021 तक वैध थी और इसे 2026 तक एक बार विस्तार दिया गया था। यह संधि रणनीतिक परमाणु हथियारों—कमांड सेंटरों, नेतृत्व लक्ष्यों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला करने के लिए डिज़ाइन की गई लंबी दूरी की प्रणालियों—पर केंद्रित थी, जबकि सत्यापन योग्य और पारदर्शी कटौती सुनिश्चित करती थी।

प्रमुख हथियार नियंत्रण प्रावधान

- प्रति देश 1,550 तैनात परमाणु हथियार।
- 700 तैनात ICBM, SLBM और भारी बमवर्षक।
- कुल 800 तैनात और गैर-तैनात लॉन्चर और बमवर्षक।

यह देखते हुए कि अमेरिका और रूस के पास कुल मिलाकर दुनिया के लगभग 87% परमाणु हथियार हैं, न्यू स्टार्ट ने रणनीतिक स्थिरता बनाए रखने और परमाणु प्रतिस्पर्धा को धीमा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सत्यापन और अनुपालन

संधि ने निम्नलिखित के माध्यम से एक मजबूत अनुपालन तंत्र स्थापित किया:

- ऑन-साइट (स्थलीय) निरीक्षण।
- डेटा विनिमय और सूचनाएं।
- विवाद समाधान के लिए एक द्विपक्षीय सलाहकार आयोग (BCC)।

IAS-PCS Institu

हालांकि, न्यू स्टार्ट की कुछ संरचनात्मक सीमाएं थीं। इसने गैर-तैनात रणनीतिक हथियारों और गैर-रणनीतिक (सामरिक/Tactical) परमाणु हथियारों को बाहर रखा, जिससे परमाणु शस्त्रागार का एक बड़ा हिस्सा औपचारिक नियंत्रण से बाहर रह गया। इसके अतिरिक्त, उभरती प्रौद्योगिकियों ने इसकी प्रासंगिकता पर दबाव डाला:

- रूस ने अमेरिका की मिसाइल रक्षा और अंतरिक्ष-आधारित इंटरसेप्टर परियोजनाओं की आलोचना की।
- अमेरिका ने रूस के हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहनों और उन्नत मिसाइल प्रणालियों पर चिंता जताई।

न्यू स्टार्ट क्यों विफल हुई?

हालांकि इसे 2026 तक बढ़ाया गया था, लेकिन रूस द्वारा 2023 में अपनी भागीदारी निलंबित करने के बाद यह संधि प्रभावी रूप से बिखर गई, जिसके लिए उसने निम्नलिखित का हवाला दिया:

- यूक्रेन को नाटो (NATO) की सैन्य सहायता।
- संघर्ष के बीच ऑन-साइट निरीक्षण की अव्यावहारिकता।
- रणनीतिक संतुलन के प्रति कथित खतरे।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

अमेरिका ने भी जल्द ही इसका अनुसरण किया। इस निलंबन ने औपचारिक सत्यापन चैनलों को नष्ट कर दिया, और संधि-आधारित पारदर्शिता की जगह एकतरफा खुफिया मूल्यांकनों ने ले ली, जिनमें गलत व्याख्या की संभावना अधिक होती है।

न्यू स्टार्ट की समाप्ति के बाद प्रमुख जोखिम

1. कानूनी सीमाओं का अभाव: बाध्यकारी सीमाओं के बिना, दोनों देश अपने शस्त्रागार का विस्तार या आधुनिकीकरण करने के लिए स्वतंत्र हैं, जिससे मात्रात्मक और गुणात्मक हथियारों की दौड़ को प्रोत्साहन मिलेगा।

2. पूर्वानुमेयता (Predictability) की हानि: हथियार नियंत्रण संधियाँ केवल संख्या सीमित करके नहीं, बल्कि पूर्वानुमेयता और विश्वास को बढ़ाकर युद्ध के जोखिम को कम करती हैं। उनकी अनुपस्थिति से गलत अनुमान का खतरा बढ़ जाता है, विशेष रूप से संकट के दौरान।

3. परमाणु-गैर-परमाणु उलझाव: आधुनिक संघर्ष परमाणु और पारंपरिक क्षेत्रों के बीच की रेखा को धुंधला कर देते हैं। साइबर हमले, अंतरिक्ष संपत्तियां और सटीक पारंपरिक हमले परमाणु कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम को बाधित कर सकते हैं, जिससे स्पष्ट परमाणु उपयोग के बिना भी अनजाने में तनाव बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

वैश्विक परमाणु शासन के लिए निहितार्थ

अप्रसार ढांचे का कमजोर होना: न्यू स्टार्ट का पतन हथियार नियंत्रण को अन्य परमाणु-हथियार संपन्न देशों तक विस्तारित करने के प्रयासों को जटिल बनाता है:

- अमेरिका का तर्क है कि उसे अकेले ही सीमित नहीं रहना चाहिए।
- रूस नाटो की सामूहिक सैन्य क्षमताओं की ओर इशारा करता है।
- चीन का मानना है कि उसके छोटे शस्त्रागार के कारण बराबरी-आधारित सीमाएं अनुचित हैं। यह गतिरोध व्यापक बहुपक्षीय प्रयासों को कमजोर करता है।

वैश्विक परमाणु संधियों के साथ जुड़ाव: न्यू स्टार्ट ने वैश्विक पहलों के साथ मिलकर काम किया जैसे:

- परमाणु अप्रसार संधि (NPT), 1968 – प्रसार को रोकना और निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देना।
- व्यापक परमाणु-परीक्षण-प्रतिबंध संधि (CTBT), 1996 – परमाणु परीक्षण विस्फोटों पर प्रतिबंध लगाना (अभी तक लागू होना बाकी है)।
- परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि (TPNW), 2017 – अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करना, हालांकि परमाणु-हथियार संपन्न देशों ने इसका विरोध किया है। द्विपक्षीय हथियार नियंत्रण के क्षरण से इस व्यापक ढांचे की विश्वसनीयता कमजोर होती है।

Result Mitra
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

आगे की राह: हथियार नियंत्रण से जोखिम न्यूनीकरण तक

भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को देखते हुए, तत्काल व्यापक निरस्त्रीकरण की संभावना कम है। विश्लेषक जोखिम-न्यूनीकरण दृष्टिकोण का सुझाव देते हैं, जिसमें शामिल हैं:

- औपचारिक संधियों के बाहर अमेरिका-रूस पारदर्शिता उपाय।
- परिभाषाओं और न्यूनतम प्रकटीकरण मानदंडों पर P5 देशों का समन्वय।
- विश्वास-निर्माण तंत्र का विस्तार जैसे हॉटलाइन, लॉन्च सूचनाएं, घटना-रोकथाम समझौते और विखंडनीय सामग्री सुरक्षा। ऐसे उपाय औपचारिक संधियों के बिना भी स्थिरता का एक बुनियादी स्तर बहाल कर सकते हैं।

भारत का परिप्रेक्ष्य

भारत के लिए, जो 'विश्वसनीय न्यूनतम निवारण' और 'पहले उपयोग न करने' (No-first-use) के सिद्धांत का पालन करता है, हथियार नियंत्रण का पतन:

- वैश्विक और क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाता है।
- परमाणु संपन्न क्षेत्रों में तनाव बढ़ने के जोखिम को बढ़ाता है।
- समावेशी, बहुपक्षीय निरस्त्रीकरण प्रयासों की आवश्यकता को पुष्ट करता है। भारत ने लगातार सार्वभौमिक और गैर-भेदभावपूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण की वकालत की है, जिससे नए सिरे से संवाद आवश्यक हो जाता है।

निष्कर्ष

न्यू स्टार्ट की समाप्ति वैश्विक परमाणु शासन में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता और तेजी से तकनीकी बदलावों वाले विश्व में, बाध्यकारी सीमाओं की अनुपस्थिति गलत अनुमान और तनाव बढ़ने के जोखिमों को बढ़ाती है। हालांकि निकट अवधि में व्यापक हथियार नियंत्रण को बहाल करना कठिन हो सकता है, लेकिन अनियंत्रित परमाणु प्रतिस्पर्धा की वापसी को रोकने के लिए पारदर्शिता, जोखिम-न्यूनीकरण और निरंतर संवाद अपरिहार्य बने हुए हैं।

प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

Q1. न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी (New START) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसने अमेरिका और रूस के तैनात परमाणु हथियारों की संख्या को प्रत्येक के लिए 1,550 पर सीमित कर दिया।
2. इसने अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए ऑन-साइट निरीक्षण और डेटा विनिमय का प्रावधान किया।
3. इसने रणनीतिक और सामरिक (Tactical) दोनों प्रकार के परमाणु हथियारों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी सीमाएं लगाईं।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2 B. केवल 1 C. केवल 2 और 3 D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: A

Q2. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

1. **START-I:** तैनात रणनीतिक परमाणु हथियारों की कटौती
2. **CTBT:** परमाणु हथियार परीक्षण का निषेध
3. **TPNW:** मिसाइल रक्षा प्रणालियों को सीमित करना

उपर्युक्त में से कौन से युग्म सही सुमेलित हैं?

IAS-PCS Institute

A. केवल 1 और 2 B. केवल 1 C. केवल 2 और 3 D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: A

GS पेपर II – मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "हथियार नियंत्रण संधियाँ उतनी ही पूर्वानुमान और पारदर्शिता के बारे में हैं जितनी कि वे संख्यात्मक सीमाओं के बारे में हैं।" इस संदर्भ में, वैश्विक रणनीतिक स्थिरता और परमाणु अप्रसार प्रयासों के लिए न्यू स्टार्ट संधि की समाप्ति के निहितार्थों का विश्लेषण कीजिए। (250 शब्द)

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806